



मायावती का भतीजे आकाश आनंद पर बड़ा एक्शन

पार्टी से किया बाहर, बोलीं-‘पार्टी से ज्यादा ससुर प्रिय’

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (BSP) प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद के खिलाफ बड़ा फैसला लेते हुए उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया है। मायावती ने आकाश पर पार्टी हितों के बजाय अपने ससुराल पक्ष को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। मायावती ने कहा कि आकाश आनंद की प्राथमिकताएं पार्टी के प्रति पहले जैसी नहीं रह गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आकाश अपने ससुर को पार्टी से अधिक महत्व दे रहे हैं और उनका रवैया ‘डबल माइंड’ वाला हो गया है। बसपा प्रमुख ने अपने बयान में आकाश के ससुराल पक्ष को लेकर



भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि सभी को संन्यास लेने में देरी हुई और इस पूरे घटनाक्रम का पार्टी पर भी असर पड़ा। मायावती के इस फैसले से बसपा की आंतरिक राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। आकाश आनंद को

पार्टी में मायावती के उत्तराधिकारी के तौर पर प्रमुखता दी जाती रही है। ऐसे में उन्हें पार्टी से बाहर किए जाने के फैसले को आगामी 2027 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मायावती के इस कदम के बाद अब

आकाश आनंद को सपा में लाने के सवाल पर अखिलेश का जवाब-‘लेकर आओगे तो ले लेंगे’

लखनऊ। बसपा से आकाश आनंद को बाहर किए जाने के बाद उनकी अगली राजनीतिक पारी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इसी बीच पत्रकारों ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से आकाश आनंद के सपा में शामिल होने की संभावनाओं पर सवाल किया। सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने संक्षिप्त टिप्पणी करते हुए कहा, ‘आकाश आनंद को लेकर आओगे तो ले लेंगे।’ उनके इस बयान के बाद



आकाश आनंद के सपा में आने की अटकलों को लेकर राजनीतिक चर्चाएं और तेज हो गई हैं। हालांकि, अखिलेश यादव ने आकाश आनंद को पार्टी में शामिल किए जाने को

लेकर कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है। उनका बयान फिलहाल राजनीतिक सवाल के जवाब के तौर पर सामने आया है। गौरतलब है कि बसपा प्रमुख मायावती ने हाल ही में आकाश आनंद को पार्टी से बाहर करने का फैसला किया है। इसके बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में उनके अगले कदम को लेकर लगातार कयास लगाए जा रहे हैं। अब अखिलेश यादव की टिप्पणी ने इन चर्चाओं को नया आधार दे दिया है।

आकाश आनंद की अगली

राजनीतिक रणनीति और उनकी

प्रतिक्रिया पर सभी की नजरें हैं।

दलीप ट्रॉफी फाइनल में ईस्ट जोन का दबदबा

● ईशान किशन के 350 रन और कुमार कुशाग्र के शतक ने रचा इतिहास

एजेंसी



नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2026 के फाइनल में ईस्ट जोन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। मुकाबले में ईशान किशन ने बल्ले से जबरदस्त प्रदर्शन किया और 350 रन की बड़ी पारी खेलकर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। ईशान के अलावा कुमार कुशाग्र ने भी शतकीय पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ईस्ट जोन ने फाइनल में मजबूत स्थिति बनाई और दक्षिण क्षेत्र की चुनौती को पीछे छोड़ते हुए चैंपियन बनने में सफलता हासिल की। फाइनल के पांचवें दिन ईस्ट

जोन की ओर से बल्लेबाजों का दबदबा देखने को मिला। ईशान किशन की मेराथन पारी ने न केवल टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई, बल्कि मुकाबले में कई व्यक्तिगत उपलब्धियां भी अपने नाम कीं। ईस्ट जोन की इस जीत के साथ दलीप ट्रॉफी 2026 का खिताब उसके नाम हो गया। मुकाबले में ईशान किशन और कुमार कुशाग्र का प्रदर्शन टीम की जीत की सबसे बड़ी वजहों में रहा।

यूपी चुनाव 2027: अखिलेश यादव का ऐलान जिलावार तैयार होगा सपा का घोषणा पत्र सरकार पर कार्यक्रम रोकने का आरोप

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव के लिए जिलावार घोषणा पत्र तैयार करेगी, ताकि अलग-अलग क्षेत्रों की स्थानीय जरूरतों और समस्याओं को उसमें शामिल किया जा सके। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि प्रदेश की भाजपा सरकार सपा के राजनीतिक कार्यक्रमों को आयोजित नहीं होने दे रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं और सुझाव जानना

चाहती है, लेकिन सरकार की ओर से इसमें बाधाएं खड़ी की जा रही हैं। सपा प्रमुख के मुताबिक, पार्टी का फोकस केवल प्रदेश स्तर के मुद्दों तक सीमित नहीं रहेगा। हर जिले की अलग जरूरत, स्थानीय समस्याओं और जनता की अपेक्षाओं को समझकर चुनावी एजेंडा तैयार करने की कोशिश होगी। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सपा का यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जिलावार घोषणा पत्र के जरिए पार्टी स्थानीय मुद्दों को चुनावी अभियान का प्रमुख हिस्सा बनाने की रणनीति पर आगे बढ़ सकती है। वहीं, सपा के कार्यक्रमों को लेकर लगाए गए आरोपों पर भाजपा सरकार की ओर से प्रतिक्रिया का इंतजार है।

वाराणसी एयरपोर्ट पर हंगामा

पायलट ने तबीयत खराब होने का

हवाला देकर उड़ान से किया इनकार

वाराणसी। वाराणसी एयरपोर्ट पर

मुंबई जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट को लेकर यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। रिपोर्ट के मुताबिक, विमान के पायलट ने तबीयत खराब होने का हवाला देते हुए फ्लाइट उड़ाने से इनकार कर दिया, जिसके बाद यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। फ्लाइट के रवाना होने में देरी से नाराज यात्रियों ने एयरपोर्ट पर विरोध जताया। यात्रियों का आरोप था कि उन्हें काफी देर तक इंतजार करना पड़ा और उड़ान को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई। पायलट की तबीयत खराब होने के कारण उड़ान प्रभावित होने की बात सामने आई है। एयरलाइन की ओर से यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था या उड़ान के नए समय के संबंध में क्या जानकारी दी गई, इसे लेकर विस्तृत स्थिति का इंतजार है।

बीजेपी ने सात मोर्चों के प्रभारियों का किया ऐलान हरीश द्विवेदी युवा मोर्चा तो सतीश पूनिया को एसटी मोर्चा की कमान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने विभिन्न मोर्चों के लिए सात नए प्रभारियों की नियुक्ति की है। पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर अहम बदलाव करते हुए नेताओं को अलग-अलग मोर्चों की जिम्मेदारी सौंपी है। बीजेपी के इस फैसले के तहत हरीश द्विवेदी को भारतीय जनता युवा मोर्चा (BJYM) का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, सतीश पूनिया को अनुसूचित जनजाति (ST) मोर्चा की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा डी. पुरेश्वरी को महिला मोर्चा का प्रभारी नियुक्त किया गया है। पार्टी के इस संगठनात्मक फेरबदल को आगामी चुनावों और संगठन को मजबूत करने की रणनीति से



जोड़कर देखा जा रहा है। बीजेपी की ओर से घोषित इन नियुक्तियों के जरिए पार्टी ने विभिन्न सामाजिक वर्गों और युवा मतदाताओं के बीच संगठन की सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया है। आने वाले समय में इन मोर्चों की भूमिका पार्टी के राजनीतिक और संगठनात्मक अभियान में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। एससी मोर्चा के प्रभारी बनाए गए संजय भाटिया

बीजेपी के प्रभारियों का ऐलान

युवा मोर्चा- हरीश द्विवेदी महिला मोर्चा- डी. पुरेश्वरी एससी मोर्चा- संजय भाटिया ओबीसी मोर्चा - वैजयंत पांडा किसान मोर्चा - लाल सिंह आर्या एसटी मोर्चा - सतीश पूनिया अल्पसंख्यक मोर्चा- गजेन्द्र पटेल

वैजयंत पांडा की ओडिशा विधानसभा चुनाव में बीजेपी की जीत में बड़ी भूमिका रही है। किसान मोर्चा के प्रभारी बनाए गए लाल सिंह आर्य मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रह चुके हैं। एमपी में उनकी गिनती भाजपा के एक बेहद वरिष्ठ, अनुभवी और प्रमुख दलित नेता के रूप में रही है। वह वर्तमान में भाजपा

के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय प्रभारी भी रहे हैं। सतीश पूनिया राजस्थान भाजपा के कद्दार नेता हैं। वो राजस्थान में भाजपा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव में बतौर प्रभारी उन्होंने भाजपा की जीत की हैट्रिक पूरी करवाई थी। पूनिया अभी राज्यसभा सांसद हैं। अब उन्हें एसटी मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। वहीं अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रभारी बनाए गए गजेन्द्र पटेल भाजपा के एक प्रमुख आदिवासी नेता हैं। वो मध्य प्रदेश के खरगोन-बड़वानी लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं। वह वर्तमान में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन में राष्ट्रीय महामंत्री की बेहद महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

अबू सलेम को सुप्रीम कोर्ट से झटका, समय से पहले रिहाई की मांग वाली याचिका खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली। 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट मामले में उम्रकैद की सजा का रहे गैंगस्टर अबू सलेम को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने उसकी समय से पहले जेल से बाहर आने की मांग को खारिज कर दिया। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने बॉम्बे हाई कोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें सलेम की याचिका को समय से पहले दाखिल बताया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 27 जुलाई को इस मामले में सुनवाई पूरी करने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब अदालत ने बॉम्बे हाई कोर्ट के अप्रैल में दिए निर्णय को वहीं ठहराते हुए अबू सलेम को फिलहाल कोई राहत नहीं दी है। अबू



सलेम की ओर से अदालत में दलील दी गई थी कि पुर्तगाल से भारत प्रत्यर्पित किए जाने के समय तय शर्तों के मुताबिक उसकी अधिकतम जेल अवधि 25 साल हो सकती है। सलेम ने कहा था कि जेल में बिताई अवधि और उसे मिलने वाली सजा में छूट को जोड़ने पर वह 25 साल की अवधि पूरी कर चुका है। इसी आधार पर उसने रिहाई की मांग की थी। हालांकि, अदालत ने उसकी दलील को स्वीकार नहीं किया। बॉम्बे हाई कोर्ट पहले ही कह चुका था कि 25 साल की अवधि अभी पूरी नहीं हुई

क्या हुआ था 1993 में?

12 मार्च 1993 को मुंबई में सिलसिलेवार बम धमाकों ने पूरे देश को हिला दिया था। शहर में अलग-अलग जगहों पर हुए 12 धमाकों में 250 से अधिक लोगों की मौत हुई थी, जबकि 700 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। जांच के दौरान अबू सलेम का नाम इस मामले में सामने आया। उसे 2005 में पुर्तगाल से भारत प्रत्यर्पित किया गया। बाद में अदालत ने मुंबई ब्लास्ट मामले में उसकी भूमिका के लिए उसे उम्रकैद की सजा सुनाई। अब सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले के बाद अबू सलेम को समय से पहले रिहाई नहीं मिल सकेगी और 25 साल की अवधि को लेकर उसकी दलील को अदालत ने फिलहाल स्वीकार नहीं किया है।

पुर्तगाल से प्रत्यर्पण के समय तय हुई थीं शर्तें

अबू सलेम को 2005 में पुर्तगाल से भारत लाया गया था। प्रत्यर्पण से जुड़े समझौते के तहत भारत ने कुछ शर्तें स्वीकार की थीं। सलेम की ओर से इन्हीं शर्तों का हवाला देते हुए कहा गया कि उसे 25 साल से अधिक की जेल की सजा नहीं दी जा सकती और उसे मृत्युदंड भी नहीं दिया जा सकता। इस मामले में वह पहले भी अदालत का दरवाजा खटखटा चुका है।

है और सलेम की याचिका समय से पहले दाखिल की गई है।

बिहार में निर्माणाधीन पुल का लॉन्चर गिरा, सात मजदूर घायल

हाजीपुर। बिहार के वैशाली जिले में गुरुवार को भारतमाला परियोजना के तहत फोरलेन निर्माण के दौरान बड़ा हादसा हो गया। लालगंज थाना क्षेत्र के जलालपुर पंचायत के इतवारपुर गांव के समीप निर्माणाधीन एनएच-139डब्ल्यू के एक पुल पर काम के दौरान लॉन्चर मशीन अचानक गिर गई। हादसे में करीब सात मजदूर घायल हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया, जबकि तीन मजदूरों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर रेफर किया गया है। पुलिस के मुताबिक, हादसा उस समय हुआ जब निर्माणाधीन पुल पर लॉन्चर मशीन के जरिए निर्माण सामग्री को ऊपर ले जाने का काम किया जा रहा था। अचानक मशीन का हिस्सा गिर गया, जिसकी चपेट में काम कर रहे मजदूर आ गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का बड़ा चुनावी दावा मिडटर्म चुनाव जीतने पर हर वोटर को 5 लाख देने की बात, खर्च होगा करीब 128 लाख करोड़

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मिडटर्म चुनाव को लेकर एक बड़ा दावा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने कहा है कि अगर उनकी पार्टी मिडटर्म चुनाव में जीत हासिल करती है तो हर वोटर को करीब 5 लाख रुपये दिए जाएंगे। इस प्रस्ताव पर होने वाला कुल खर्च करीब 128 लाख करोड़ आंका गया है। तुलना करें तो यह रकम पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के आकार से करीब 3.3 गुना बताई जा रही है। ट्रम्प के इस दावे ने अमेरिकी राजनीति और आर्थिक नीतियों को लेकर नई चर्चा खेड़ दी है। इतनी बड़ी राशि सीधे मतदाताओं को देने की योजना पर



इसके वित्तीय स्रोत, सरकारी बजट पर असर और व्यावहारिकता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मिडटर्म चुनाव अमेरिका में राष्ट्रपति के कार्यकाल के बीच होने वाले चुनाव हैं, जिनमें कांग्रेस के सदस्यों समेत

विभिन्न पदों के लिए मतदान होता है। ट्रम्प के बयान के बाद अब यह देखना अहम होगा कि इस प्रस्ताव का विस्तृत स्वरूप क्या होगा और इसे लागू करने के लिए वित्तीय व्यवस्था कैसे की जाएगी।

आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी समेत 9 आरोपियों पर आरोप तय

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आरोप तय कर दिए हैं। वहीं, अदालत ने इस मामले में सात आरोपियों को बरी भी कर दिया। मामले की अगली सुनवाई 3 अक्टूबर को होगी। विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी, सरला गुप्ता, लारा

प्रोजेक्ट्स एलएलपी, सुजाता होटल्स और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा नहीं लगता कि लालू प्रसाद यादव के खिलाफ की गई जांच राजनीतिक रूप से प्रभावित थी। अदालत ने यह भी कहा कि लारा प्रोजेक्ट्स को जिस तरह कथित लाभ मिला, उससे लालू यादव की भूमिका पर संदेह पैदा होता है। इससे पहले 13 अक्टूबर 2025 को इसी अदालत ने सीबीआई के मामले में लालू यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए थे।

यूपी की 1 करोड़ महिलाओं को मिलेंगे 1-1 लाख रुपये, योगी सरकार ने किया बड़ा ऐलान



अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच योगी सरकार महिलाओं को लेकर एक और बड़ी योजना पर आगे बढ़ रही है। सरकार की ओर से राज्य की

करीब 1 करोड़ महिलाओं को एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया गया है। इस रकम को महिलाओं को एक साथ देने के बजाय तीन चरणों में उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार के मुताबिक, यह सहायता आजीविका

मिशन से जुड़ी महिलाओं को बिना ब्याज के दी जाएगी। इसका मकसद महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करना और उन्हें अपने रोजगार या छोटे कारोबार को आगे बढ़ाने में मदद देना है। उत्तर प्रदेश में अगला विधानसभा चुनाव

महिलाओं पर सरकार का लगातार फोकस

योगी सरकार पिछले कुछ समय से महिला केंद्रित योजनाओं और घोषणाओं पर खास जोर दे रही है। सरकार की ओर से महिला उद्यमिता, स्वयं सहायता समूह, लखपति दीदी, मिशन शक्ति और महिला पेंशन जैसी योजनाओं के जरिए आर्थिक और सामाजिक स्तर पर महिलाओं को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। इनके अलावा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, महिला उद्यमी क्रेडिट योजना, निराश्रित महिला पेंशन और 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए रोडवेज यात्रा जैसी योजनाएं भी सरकार के महिला कल्याण एजेंडे का हिस्सा हैं।

चुनाव से पहले महिला वोटर्स पर नजर

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। भाजपा सरकार भी अलग-अलग वर्गों के लिए योजनाओं और घोषणाओं के जरिए अपनी पहुंच बढ़ाने में जुटी है। ऐसे में महिलाओं के लिए एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता का ऐलान राजनीतिक रूप से भी अहम माना जा रहा है।

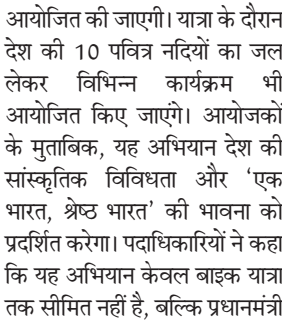
2027 में होना है। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 22 मई 2027 को समाप्त होगा। राज्य में

20 हजार से शुरू होगी पहली किस्त

योजना के तहत महिलाओं को कुल एक लाख रुपये तीन अलग-अलग किस्तों में मिलेंगे। पहली बार 20 हजार रुपये, दूसरी किस्त में 30 हजार रुपये और तीसरे चरण में 50 हजार रुपये दिए जाने की बात कही गई है। इस तरह तीनों किस्तों को मिलाकर प्रत्येक पात्र महिला को कुल एक लाख रुपये की मदद मिलेगी। सरकार की इस पहल को महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम कदम बताया जा रहा है। खासतौर पर स्वयं सहायता समूहों और आजीविका से जुड़े महिला समूहों को इसका फायदा मिलने की उम्मीद है।

जिसके बाद मतदान की तारीखों को लेकर तत्क्षीर साफ हो जाएगी।

मैं मरीजों के इलाज, ओपीडी और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी जिम्मेदारियाँ निभा रहे हूँ। इंटर डॉक्टरों के ओपीडी बहिष्कार के चलते अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ने की स्थिति बनी। डॉक्टरों का कहना है कि काम और जिम्मेदारियों के मुकाबले उन्हें मिलने वाला मानदेय काफी कम है। लंबे समय से मानदेय बढ़ाने की मांग की जा रही है, लेकिन उपस्थित कार्यवाही नहीं होने के कारण उन्हें प्रदर्शन का रस्ता अपनाया पड़ा।



करीब 2 बजे अपनी बेटी के बेटे शिवा के साथ सरथू बांध के पास भैस नहलाने गए थे। नहाने के दौरान शिवा अचानक गहरे पानी में डूब गया। उसे डूबता देखकर जगराम उसे बचाने के लिए दौड़े, लेकिन तेज बहाव के कारण दोनों नदी में डूब गए। शोर सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस, प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम ने नाव और गैसटाखोरों की मदद से दोनों की तलाश शुरू की। दस रात तक सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। गुवागर सुबह करीब 6 बजे घटनास्थल से महज 10 फीट की दूरी पर जगाम का शव मिला। पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शिवा की मां राजकुमारी, निवासी ईदगाह रुदौली ने बताया कि वह स्वस्थबंधन पर बेटी शिवा के साथ अपने मायके परसेया आई थीं।